BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | TIMESOFINDIA.COM LUCKNOW | FRIDAY, JANUARY 17, 2014 | PAGES 26 | CAPITAL | PRICE ₹4.00

THE TIMES OF INDIA

INCLUSIVE OF LUCKNOW TIMES (CITY ONLY) | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM

Bike that runs on air enters Limca Book

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: With petrol prices touching the sky, could air be the fuel of the future?

Developed by two professors from the state, the country's first bike that runs on compressed air has entered this year's edition of Limca Book of Records.

Christened 'Air-O-Bike', the vehicle is powered by an air turbine engine with a capacity to generate 5.5 HP (4.1 kW) power by using compressed air as fuel. Its makers, Bharat Raj Singh, director of School of Management Sciences, Lucknow and Omkar Singh, who is now the vice-chancellor of MMMUT, Gorakhpur, said the bike can run for 40 minutes at a go using compressed air of 60-90 psi pressure.

The load test conducted in the lab showed that the engine runs 2000-3000rpm with load and 10,000 rpm without load. The unique zero emission air engine was notified in the Patent Journal of the Government of India in April 2012, said Prof Bharat Raj Singh. The bike was subsequently exhibited before President of India in the city year in May 2013, who applauded the innovation and suggested its commercial use.

The 2014 edition of the Limca Book of Records will feature this vehicle.

In May 2013, President Pranab Mukherjee lauded the innovation and suggested its commercial use

P-16

मुशर्रफ की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित

राष्ट्रीय सहारा

www.samaylive.com

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

• लखनऊ • नई दिल्ली • गोरखपुर • पटना • कानपुर • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ | शुक्रवार • 17 जनवरी • 2014

नगर संस्करण, पृष्ठ 20+4

P-18

बोपन्ना की जोड़ी आस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड मे

नहीं चेते तो, देश में भी होंगे अमेरिका जैसे हालात

लखनऊ (एसएनबी)। ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव के कारण ही अमेरिका में तापमान शून्य से 53 डिग्री नीचे चला गया है। वहां आपातकाल घोषित हो गया है। अभी भी समय है, चेता नहीं गया तो ऐसे हालात देश में भी पैदा हो सकते हैं। यह कहना है स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज (एसएमएस) के निदेशक डा. भरत राज सिंह का। उन्होंने न्यूयार्क शहर में हो रही घटना का उल्लेख अपनी पुस्तक ग्लोबल वार्मिंग तथा क्लाइमेट चेंज में कर रखा है।

■ एसएमएस के निदेशक डा. भरतराज सिंह की पुस्तक में अमेरिका में ग्लोबल वार्मिंग के हालात का है जिक्र

उन्होंने बताया कि मनुष्य हमेशा से ही प्रबुद्ध प्राणी होने के कारण पृथ्वी पर उत्पन्न जीव, जन्तु, पेड, पौधों व प्रकृति के प्रति संरक्षक के रूप में कार्य करता रहा है। ऐसे में वातावरण परिवर्तन से घटित आपदाओं के लिए उसकी संवेदनहीनता ही जिम्मेदार है। इसपर उन्होंने 'ग्लोबल वार्मिंग' पुस्तक लिखी, जो सितम्बर 2012 में 'इन्टेक क्रोशिया यूनिवर्सिटी इटली में प्रकाशित हुई है। पुस्तक में उन्होंने लिखा है कि अमेरिका के न्यूयार्क शहर का अधिकांश भाग भीषण तूफानों के कारण जलप्लावित हो जायेगा। 31 अक्टूबर 2012 को न्यूयार्क शहर में आये सैण्डी तूफान ने एक-तिहाई निचला हिस्सा पानी से डुबों दिया। शहर में 15 दिनों तक आपदा घोषित की गयी। विद्युत आपूर्ति व एअर लाइन्स आदि बाधित रही। अधिकांश शहर वासियों को अन्यत्र स्थानान्तरित किया गया था। उनकी दूसरी पुस्तक क्लाइमेट चेंज (ऋतु परिवर्तन) पर लिखी गय़ी है। उसका भी प्रकाशन इन्टेक, क्रोसिया में ज़नवरी 2013 में हुआ है। पुस्तक में 16 सितम्बर 2012 के नासा के सेटेलाइट आकड़े के आधार पर उल्लेख किया गया है कि उत्तरी ध्रुव पर 45 लाख वर्ग किमी में आर्कटिक आच्छादित बर्फ चट्टानों में से एक तिहाई अर्थात लगभग 15 लाख वर्ग किमी पिघली हुयी पायी गयी। आने वाले दो दशक में सम्भावना जताई गयी है कि आर्कटिक उत्तरी ध्रुव पर नाम मात्र ही बर्फ बचेगी। सम्पूर्ण बर्फीली सिलापट, ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिघलकर अटलांटिक महासागर में अमेरिका छोर से समुद्र में गिर रही है। इसके कारण भीषण शीत लहर, तूफान तथा उससे उत्पन्न आपदाओं के कारण न्यूयार्क शहर का अधिकांश भाग चपेट में आ जायेगा। उनका कहना है कि इसी के कारण वर्तमान में न्यूयार्क शहर में भीषण बर्फवारी व शीत लहर चल रही है। तापमान शून्य से 53 डिग्री नीचे पहुंच गया है।

देश में भी हिमालय की पहाड़ियों पर हो रही बर्फवारी, ग्लेशियर पर न रूककर, मैदानी इलाकों में पहुॅच रही है और सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान व उत्तर प्रदेश भी भीषण शीत लहर से प्रभावित है। डा. सिंह बताते हैं कि भारत वर्ष में भी आपदाओं के आने से नकारा नहीं जा सकता है। उनका अनुमान है कि केदारनाथ जैसी विभीषिका की पुनरावृत्ति, निरन्तर ग्लोबल वार्मिंग में बढ़ोत्तरी के कारण, वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में पहाड़ियों पर ऐसी आपदाओं से बचा जाना सम्भव नहीं है। इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का सार्थक प्रयास करने के लिए जन-मानस को छोटे-छोटे उपायों के लिए जागृत करने व नव चेतना पैदा करने की जरूरत है।

अमर उजाला

दिल्ली । उत्तर प्रदेश । उत्तराखंड । चंडीगढ़ । पंजाब । हरियाणा । हिमाचल । जम्मू-कश्मीर

राजधानी वर्ष 6 अंक 194, पृष्ठ : 18+8+4+4 = 34 मूल्य : ₹ 3.00

हवा से चलने वाली बाइक लिम्का बुक में शामिल

डॉ. भरत राज सिंह की ओर से तैयार इस एअर-ओ बाइक ने दिखाया कमाल

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। हवा से चलने वाली बाइक का नाम अब लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया है। इस बाइक की खासियत यह है कि पांच रुपये की हवा टंकी में भरवाकर आप आराम से 40 किलोमीटर तक का सफर कर सकते हैं। इस बाइक को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक डॉ. भरत राज सिंह ने तैयार किया है। इस बाइक पर दो लोग आराम से बैठकर चल सकते हैं। पर्यावरण को बचाने के मकसद से उन्होंने यह विशेष बाइक तैयार की है। लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की फरवरी, 2014 में प्रकाशित होने वाली बुक में इसका नाम आप पढ़ेंगे।

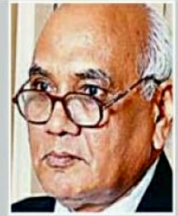

रिकॉर्ड बनाने वाली बाइक व इसके अविष्कारक डॉ. भरत (इनसेट)।

एयर-ओ बाइक तैयार करने वाले डॉ. भरत राज सिंह कहते हैं कि विकासशील देशों में अधिकतर लोग बाइक से ही चलते हैं। अगर भारत की ही बात की जाए तो यहां वर्ष 2011 के आंकड़ों के अनुसार 13 करोड़ कुल वाहन थे। इसमें से 10 करोड़ टू व्हीलर हैं। ऐसे में पेट्रोल के बढ़ते दाम और पर्यावरण के असंतुलन की गहरी होती खाई के बीच यह बाइक काफी सफल है। इसे तैयार करने में करीब 84 हजार रुपये का खर्चा आता है और इसका पेटेंट डॉ. सिंह पहले ही करवा चुके हैं। वह कहते हैं कि इस बाइक की टंकी में वाहनों के टायर में भरी जाने वाली हवा करीब 350 पौंड भरवाएं, जिसका खर्च केवल पांच रुपये आता है और आप आराम से 40 किलोमीटर तक इसे चला सकते हैं। वह कहते हैं कि इस बाइक से अधिकतम 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तय की जा सकती है। इसका इंजन काफी छोटा है और यह बाइक हवा के प्रेशर के फॉर्मूले पर फर्राटा भरती है। डॉ. सिंह दावा करते हैं कि इससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा कम हो सकता है। वह इस पर वर्ष 2006 से काम कर रहे थे और इसे फाइनल रूप से लांच वर्ष 2012 में किया गया। इससे पहले बीबीएयू में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने बीते साल लगी एग्जीबिशन में इस बाइक की काफी तारीफ की थी।

वर्ष 35 अंक 79
पृष्ठ 16 + जोश पत्रिका
लखनऊ, बुधवार
8 जनवरी 2014
नगर संस्करण***
मूल्य ₹ 4.00 या
₹ 5.00 जागरण जोश के साथ

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

उच्च शिक्षा में संसाधनों की कमी 11

गांगुली ने इस्तीफे में खुद को बताया निर्दोष 15

www.jagran.com

उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

हवा से चलेगी, हवा खराब नहीं करेगी

एयर-ओ-बाइक का मॉडल

उपलब्धि

- राजधानी के इंजीनियर ने तैयार की हवा से चलने वाली बाइक
- लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होगी खोज
- सरकारी प्रतिष्ठान चाहें तो दे सकते है टेक्नोलॉजी

डॉ. भरत राज सिंह

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजधानी के इंजीनियर द्वारा तैयार एयर-ओ-बाइक की टेक्नोलॉजी के लिए कनाडा, बुल्गारिया, जर्मनी जैसे देशों से मांग आ रही है, लेकिन इस देशज टेक्नोलॉजी के अंवेषक डॉ. भरत राज सिंह व प्रो. ओंकार सिंह चाहते है कि एयर-ओ-बाइक का निर्माण सरकारी प्रतिष्ठान में ही हो। उनका मानना है कि इससे न केवल प्रदूषण की समस्या पर काबू पाया जा सकेगा बल्कि दिनोंदिन महंगे होते पेट्रोल से भी निजात मिलेगी।

बताते चलें कि एयर-ओ-बाइक को हाल ही में लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया है। फरवरी 2014 में लांच होने वाली लिमका बुक में इसे प्रकाशित किया जाएगा। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस के निदेशक डॉ.भरत राज सिंह व कानपुर के एचबीटीआइ के डॉ.ओंकार सिंह द्वारा तैयार की गई, एयर-ओ-बाइक की खासियत यह है कि इसमें पांच रुपये की हवा भराकर 45 किमी. का सफर 80 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से तय किया जा सकता है। वह बताते है कि बाइक का एयर इंजन मात्र चार इंच का है जिसे पांच वर्षो के अथक प्रयास के बाद बनाया गया है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षण में पाया गया कि लोड के साथ इंजन 2000-3000 आरपीएम पर चलता है जबकि बगैर लोड के 10 हजार आरपीएम पर चलता है। जीरो उत्सर्जन वाले इस इंजन का बीते वर्ष भारतीय पेटेंट भी हासिल किया जा चुका है।

ऐसे चलती है बाइक

डॉ. सिंह बताते है कि एयर बाइक में कांप्रेस्ड एयर को मेकेनिकल एनर्जी में बदला जाता है। यह काम छोटी सी टरबाइन में होता है। टरबाइन में 60 से 90 पांड हवा भरी जाती है जिससे इंजन चलने लगता है। इसके लिए विशेष रूप से छोटा इंजन तैयार किया गया है।

वजन कम करने की है कोशिश : एयर-ओ-बाइक में सीमलैस यानी बगैर जोड़ का इंजन लगाया गया है जिससे दुर्घटना होने पर इंजन को नुकसान न पहुंचे। हालांकि इससे इसका वजन 20-25 किलो तक बढ़ जाता है। यही इसका नुकसान भी है क्योंकि दो लोगों के बैठने से लोड बहुत अधिक हो जाता है। इसलिए कोशिश की जा रही है कि कार्बन स्टील व कार्बन फाइबर से ऐसा इंजन बनाया जाए जिससे इसका वजन तो कम हो साथ ही मजबूती भी प्रभावित न हो।

वर्ष 35 अंक 83
पृष्ठ 22+4=26
लखनऊ, रविवार
12 जनवरी 2014
नगर संस्करण*
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

शरद पवार प्रधानमंत्री बनें तो खुशी होगी 19 देवयानी पर अमेरिका की पाबंदी

www.jagran.com उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से

बाराबंकी
जागरण सिटी

सैफई महोत्सव के लिए माफी की जरूरत नहीं : सलमान 21

अमेरिकी पाठ्यक्रम में भारतीय वैज्ञानिक की पुस्तक

- पर्यावरण पर आधारित है पुस्तक
- 2012 के अमेरिकी तूफान का पहले ही कर चुके थे अपनी पुस्तक में जिक्र

सतीश श्रीवास्तव / उमेश यादव बाराबंकी

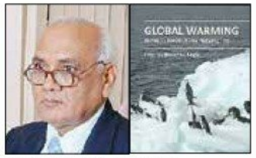

डॉ. भरत राज सिंह व पुस्तक जागरण

भारतीय वैज्ञानिक द्वारा लिखी पुस्तक 'क्लाइमेट चेंज' के अंश अमेरिकी सरकार ने अपने बेसिक पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। इस भारतीय वैज्ञानिक द्वारा ग्लोबल वार्मिंग पर लिखी गई पुस्तक में 2012 में अमेरिका में आए तूफान का पहले ही जिक्र कर दिया था। पुस्तक को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए अमेरिकी सरकार ने भारतीय वैज्ञानिक की अनुमति मांगी थी। जिस पर स्वीकृति के बाद अमेरिकी सरकार ने इसे हरी झंडी दे दी। अमेरिकी छात्र अगले सत्र से इसे पढ़ सकेंगे।

पुस्तक के लेखक सुल्तानपुर के मूल निवासी डॉ.भरतराज सिंह वर्तमान समय में लखनऊ में रह रहे हैं। वे हवा से चलने वाली मोटर साइकिल का ईजाद कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। शनिवार को बाराबंकी आए डॉ.भरतराज सिंह ने 'जागरण' से खास बातचीत में बताया कि अमेरिका में 31 अक्टूबर 2012 में सेंडी जैसा तूफान देखने को मिला। इसका जिक्र उन्होंने सितंबर 2012 को प्रकाशित पुस्तक में ही कर दिया था। उनकी ही भविष्यवाणी का नतीजा था कि अमेरिका सतर्क रहा और उसे इस तूफान से निपटने में मदद मिली। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी अधिकारियों ने जब उनकी दूसरी पुस्तक 'क्लाइमेट चेंज' पढ़ी तो उन्होंने इसे अमेरिका के बेसिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने की उत्सुकता जताई। इस पुस्तक का प्रकाशन 'इंटेक क्रोसिया' से जनवरी 2013 में हुआ था। पुस्तक में डॉ. सिंह ने उत्तरी ध्रुव से पिघलती हिम चट्टानों से भविष्य में आने वाली गंभीर आपदा का जिक्र किया है। जिसमें अनुमान लगाया गया है कि अगले दो दशक में बर्फ की यह चट्टानें अमेरिकी छोर के अटलांटिक महासागर में गिरेंगी जिससे अमेरिका के न्यूयार्क शहर और आसपास के क्षेत्रों में तबाही मचेगी। पुस्तक में भारत में भी ग्लेशियर के पिघलने से ऐसी ही आपदा के बढ़ने की संभावना जताई गई है। डॉ. सिंह बताते हैं कि अमेरिकी पाठ्यक्रम में उनकी पुस्तक के पृष्ठ संख्या 39 से 53 तक का भाग प्रकाशित कर दिया गया है। जिसे अमेरिका के 'सिंगेज लर्निंग पब्लिशर्स' ने उनकी अनुमति के बाद प्रकाशित किया है। डॉ. सिंह लखनऊ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक हैं।

वर्ष 35 अंक 83
पृष्ठ 22+4+4+4=34
लखनऊ, रविवार
12 जनवरी 2014
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैंनिक जागरण

विश्व कप की तैयारी में मदद करेगा न्यूजीलैंड दौरा 20

देवयानी पर अमेरिका की पाबंदी 19

www.jagran.com उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

अमेरिकी पाठ्यक्रम में शामिल हुई भारतीय वैज्ञानिक की पुस्तक

सतीश श्रीवास्तव / उमेश यादव, बाराबंकी

मिली उपलब्धि

- पर्यावरण पर आधारित है पुस्तक
- 2012 के अमेरिकी तूफान का पहले ही कर चुके थे अपनी पुस्तक में जिक्र

भारतीय वैज्ञानिक द्वारा लिखी पुस्तक 'क्लाइमेट चेंज' के अंश अमेरिकी सरकार ने अपने बेसिक पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। भारतीय वैज्ञानिक द्वारा ग्लोबल वार्मिंग पर लिखी गई पुस्तक में 2012 में अमेरिका में आए तूफान का पहले ही जिक्र कर दिया था। पुस्तक को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए अमेरिकी सरकार ने भारतीय वैज्ञानिक की अनुमति मांगी थी। जिस पर स्वीकृति के बाद अमेरिकी सरकार ने इसे हरी झंडी दे दी। फिलहान वह लखनऊ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक हैं।

सुल्तानपुर निवासी लेखक डॉ.भरतराज सिंह वर्तमान समय में लखनऊ में रह रहे हैं। वे हवा से चलने वाली बाइक का ईजाद कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। शनिवार को बाराबंकी आए डॉ.भरतराज सिंह ने 'जागरण' से खास बातचीत में बताया कि अमेरिका में 31 अक्टूबर 2012 में सेंडी जैसा तूफान देखने को मिला। इसका जिक्र उन्होंने सितंबर 2012 को प्रकाशित पुस्तक में ही कर दिया था। उनकी ही भविष्यवाणी का नतीजा था कि अमेरिका सतर्क रहा और उसे इस तूफान से निपटने में मदद मिली। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी अधिकारियों ने जब उनकी दूसरी पुस्तक 'क्लाइमेट चेंज' पढ़ी तो उन्होंने इसे अमेरिका के बेसिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने की उत्सुकता जताई। इस पुस्तक का प्रकाशन 'इंटेक क्रोसिया' से जनवरी 2013 में हुआ था। पुस्तक में उत्तरी ध्रुव से पिघलती हिम चट्टानों से भविष्य में आने वाली आपदा का जिक्र किया है। इसमें भारत में भी ग्लेशियर के पिघलने से ऐसी ही आपदा के बढ़ने की संभावना जताई है।

उत्तर प्रदेश वन निगम (उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम)
कार्यालय-प्रभागीय विक्रय प्रबन्धक
उत्तर प्रदेश वन निगम, गोण्डा (फोन व फैक्स नं.-05262-230900

पत्रांक: 2905/नीलाम सूचना/ दिनांक: 10 जनवरी 2014

नीलाम सूचना

सर्वसाधारण व पंजीकृत क्रेताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 14.01.2014 को होने वाले तकपुरा, आशिफबाग व अशरफपुर डिपो के सार्वजनिक नीलाम के दिन स्थानीय अवकाश (बारावफात) पड़ जाने के कारण उक्त तीनो डिपो का नीलाम दिनांक 17.01.2014 को होने वाले कुआना व बालपुर डिपो के सार्वजनिक नीलाम के साथ प्रभागीय कार्यालय गोण्डा के नीलाम हॉल में सम्पन्न कराया जायेगा। शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

(पी. ब्रह्मानन्दन)
प्रभागीय विक्रय प्रबन्धक
उ.प्र. वन निगम गोण्डा

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
THURSDAY, JANUARY 09, 2014

>ONE OR TWO MEN OR CHILDREN GET ACID BURNS ACCIDENTALLY BUT THE MAJORITY ARE WOMEN WHO BECOME VICTIMS AT THE VERY START OF THEIR LIVES.

> PROF AK SINGH, HoD, plastic surgery at KGMU

Air is the fuel for this motorcycle

LUCKNOW: With petrol prices hitting the roof, riding a motorbike that is fuelled only by air is not a bad idea. Two professors of UP have developed an 'air-o-bike', which has got a thumbs-up from the Limca Book of Records.

The record book has confirmed the entry of the first compressed air-powered bike. The 2014 edition of the book to be launched in February will feature this vehicle.

Prof Bharat Raj Singh of the School of Management Sciences, Lucknow and Prof Onkar Singh of Harcourt Butler Technological Institute, Kanpur, UP have developed an air turbine engine with a capacity to generate 5.5 HP (4.1 kw) power by using compressed air as fuel.

"The air engine measuring 4 inch (100mm) in outer casing diameter, 3 inch (75mm) in rotor diameter and 1.5 inch (35 mm approx) in width can run a motor bike for 40 minutes using compressed air at 4-6 bar (60-90 psi) pressure," explained Professor Singh.

The load test conducted in the lab showed that the engine runs at 2000-3000 rpm with load and 10,000 rpm without load. The unique zero emission air engine was notified in the Patent Journal of the government of India on April 13, 2012, he claimed. **HTC**

LIMCA BOOK CONFIRMS ENTRY

- Prof Bharat Raj Singh of the School of Management Sciences, Lucknow and Prof Onkar Singh of HBTI, Kanpur have developed this 'air-o-bike'.
- The Limca Book of Records has confirmed the entry of the first compressed air-powered bike. The 2014 edition of the book to be launched in February will feature this vehicle.

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
गुरुवार, 09 जनवरी 2014, लखनऊ, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

लिम्का बुक में दर्ज हुई हवा से चलने वाली बाइक

अद्‌भुत

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान टीम

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने संपीडित हवा से चलने वाली मोटरसाइकिल को फरवरी 2014 के अंक में दर्ज करने के फैसला किया है।

यह मोटरसाइकिल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. भरत राज सिंह और हरकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजिकल

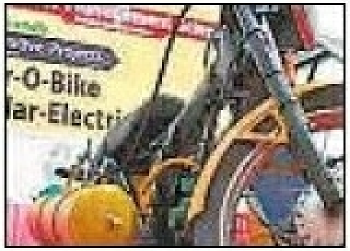

इंस्टीट्यूट, कानपुर के प्रोफेसर ओंकार सिंह ने बनाई है। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इस संबंध में ई-मेल के जरिये प्रोफेसर सिंह को जानकारी उपलब्ध कराई है। इस मोटरसाइकिल

प्रोफेसर भरत राज सिंह

में संपीडित हवा से चलने वाला इंजन लगाया गया है। इस इंजन की क्षमता 5.5 हॉर्स पावर (4.1 किलोवॉट) है। एक बार हवा भरने पर यह इंजन 40 मिनट तक चल सकता है। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोग में पाया गया है कि भार के साथ यह इंजन 2-3 हजार चक्कर प्रति मिनट (आरपीएम) और बिना भार के 10 हजार आरपीएम तक हासिल कर सकता है। इस इंजन को भारत सरकार के पेटेंट विभाग ने 13 अप्रैल 2012 को पेटेंट भी दिया है। हवा से चलने वाली इस मोटरसाइकिल का प्रदर्शन लखनऊ में 10 मई, 2013 को भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सामने भी किया जा चुका है।

हिन्दुस्तान 16

नई दिल्ली • गुरुवार • 09 जनवरी 2014

बार हवा भरने पर 40 मिनट तक चल सकता है इंजन, सरकार से पेटेंट भी हासिल कर चुके हैं प्रोफेसर भरत राज सिंह

वा से चलने वाली बाइक लिम्का बुक में दर्ज

द्भुत

ली | हिन्दुस्तान टीम

बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने
हवा से चलने वाली
इकिल को फरवरी 2014 के
दर्ज करने के फैसला किया है।
मोटरसाइकिल स्कूल ऑफ
ट साइंसेज, लखनऊ के
डॉ. भरत राज सिंह और
बटलर टेक्नोलॉजिकल
ट, कानपुर के प्रोफेसर
सिंह ने बनाई है। लिम्का बुक

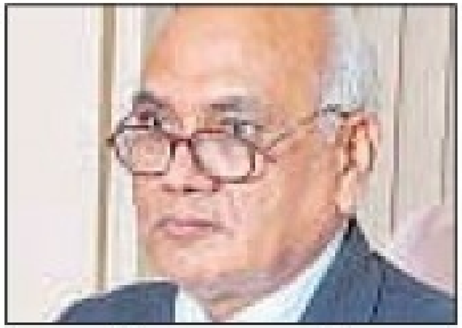

प्रोफेसर भरत राज सिंह

ऑफ रिकॉर्ड्स ने इस संबंध में ई-मेल के जरिये प्रोफेसर सिंह को जानकारी उपलब्ध कराई है। इस मोटरसाइकिल में संपीडित हवा से चलने वाला इंजन लगाया गया है। इस इंजन की क्षमता 5.5 हॉर्स पावर (4.1 किलोवॉट) है। एक बार हवा भरने पर यह इंजन 40 मिनट तक चल सकता है। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोग में पाया गया है कि भार के साथ यह इंजन 2-3 हजार चक्कर प्रति मिनट (आरपीएम) और बिना भार के 10 हजार आरपीएम तक हासिल कर सकता है। इस इंजन को भारत सरकार के पेटेंट विभाग ने 13 अप्रैल 2012 को पेटेंट भी दिया है। हवा से चलने वाली इस मोटरसाइकिल का प्रदर्शन लखनऊ में 10 मई, 2013 को भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सामने भी किया जा चुका है।

हवा से चलने वाली बाइक। इसका प्रदर्शन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सामने हो चु

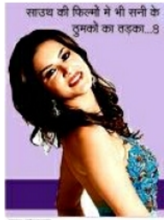
साउथ की फिल्मों में भी सनी के ठुमकों का तड़का...8

इलाहाबाद, मंगलवार, 7 जनवरी, 2014

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, मेरठ एवं देहरादून से प्रकाशित

पौष मास, शुक्ल पक्ष 7, वर्ष 4, अंक 259, पृष्ठ 16, ₹2.50

पुजारा टेस्ट रैंकिंग में पांचवे स्थान पर पहुंचे...14

जनहितैषी आर्थिक नीतियां बनाने की जरूरत.....10

नगर संस्करण

www.jansandeshtimes.com

हवा के दाब से चलने वाली इकोफ्रेंडली बाइक तैयार

बिना ईंधन के दौड़ेंगे वाहन

डॉ. अजहर अंसारी

इलाहाबाद। वैज्ञानिकों ने लोगों को पेट्रोल के बढ़ते दामों से राहत दिलाने की युक्ति ढूंढ़ ली है। उन्होंने एक ऐसी बाइक तैयार की है जो बिना ईंधन के चलेगी। जी हां, अब सड़क पर ऐसे वाहन दिखाई देंगे जो हवा यानी आक्सीजन से चलेंगे। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पुराछात्र वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बीआर सिंह के इस आविष्कार को लिम्का बुक में भी स्थान मिला है। विज्ञान जगत के इस आविष्कार पर लोगों को सहसा यकीन तो नहीं होगा लेकिन यह सौ फीसदी सच है।

विज्ञान का चमत्कार

- पांच रुपये की हवा से दौड़ सकती है 40 किलोमीटर
- देश की खोज को लिम्का बुक में भी मिला स्थान

यांत्रिकी, रसायन और ऑटोमोबाइल से तैयार इस संयुक्त तकनीक के माध्यम से वातावरण में मौजूद हवा के तत्वों को ईंधन के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

डॉ. बीआर सिंह अपने आविष्कार के बारे में बताते हैं कि यह उनके सपनों की बाइक है। इसका आविष्कार उनकी वर्षों की मेहनत का नतीजा है। इसे

एयरोबाइक की विशेषता की जानकारी लेते राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी

2006 से 2011 के मध्य साकार किया गया है। दरअसल, उन्होंने सामान्य जनों को पेट्रोल के खर्च से बचाने के लिए इस बाइक की परिकल्पना की थी। इस ईको फ्रेंडली बाइक के माध्यम से प्रकृति में शेष पेज 13 पर...

बिना ईंधन...

बढ़ते प्रदूषण को भी रोका जा सकेगा। डॉ. सिंह बताते हैं कि यूरोपीय विकासशील देशों में अभी भी 30 से 80 प्रतिशत आबादी द्वारा बाइक प्रयोग में लाई जाती है। अपने देश में बाइक्स के आंकड़ों पर ध्यान दें तो यह संख्या 2011 में 13 करोड़ से अधिक थी। वर्तमान में इसके और अधिक बढ़ने की संभावना है। इतने दोपहिये वाहनों में पेट्रोल से दो प्रकार के नुकसान सामने आते हैं। पहले तो जेब ढीली हो जाती है, दूसरी पेट्रोल से उत्सर्जित प्रदूषण से पर्यावरण का खतरा बढ़ता जा रहा है। अब वातावरण में मौजूद हवा से चलने वाली बाइक से लोगों का पैसा भी बचेगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। खास बात यह है छह साल में तैयार इस बाइक का 5.5 हॉर्स पावर का इंजन मात्र चार इंच व्यास का है। इस दोपहिया वाहन की टंकी में 350 पाउंड हवा भरी जा सकती है। यह बाइक 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है। बाइक की रफ्तार पूर्ण लोड पर 2000 आरपीएम एवं बिना लोड पर 10 हजार आरपीएम हो सकती है। इस एयरोबाइक की प्रशंसा स्वयं राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी भी कर चुके हैं। गत दिनों मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद में आयोजित पुराछात्र सम्मेलन में इस बाइक का प्रदर्शन किया जा चुका है। डॉ. बीआर सिंह के इस प्रवास को विश्व स्तर पर भी पहचान मिली है। इसकी खूबियों को देखते हुये इसका नाम लिम्का बुक में भी दर्ज किया जा चुका है। डॉ. बीआर सिंह वर्तमान में लखनऊ स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक हैं।

पौष मास, शुक्ल पक्ष 6, वर्ष 4, अंक 215, पृष्ठ 16, मूल्य: 3.00

साउथ की फिल्मों में भी सनी के ठुमकों का तड़का...9

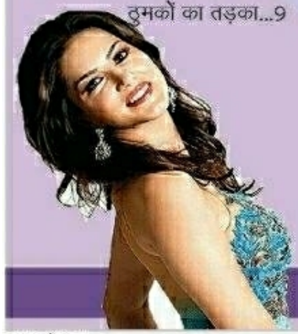

लखनऊ, मंगलवार, 7 जनवरी, 2014

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, मेरठ एवं देहरादून से प्रकाशित

पुजारा टेस्ट रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंचे...14

जनहितैषी आर्थिक नीतियां बनाने की जरूरत.....10

नगर संस्करण

www.jansandeshtimes.com

अब बिना ईंधन के दौड़ेंगे वाहन

डॉ. अजहर अंसारी

इलाहाबाद। वैज्ञानिकों ने लोगों को पेट्रोल के बढ़ते दामों से राहत दिलाने की युक्ति ढूढ़ ली है। उन्होंने एक ऐसी बाइक तैयार की है जो बिना ईंधन के चलेगी। जी हां, अब सड़क पर ऐसे वाहन दिखाई देंगे जो हवा यानी आक्सीजन से चलेंगे। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पुराछात्र वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बीआर सिंह के इस आविष्कार को लिम्का बुक में भी स्थान मिला है। विज्ञान जगत के इस आविष्कार पर लोगों को सहसा यकीन तो नहीं होगा लेकिन यह सौ फीसदी सच है। यांत्रिकी, रसायन और ऑटोमोबाइल से तैयार इस संयुक्त तकनीक के माध्यम से वातावरण में मौजूद हवा के तत्वों को

विज्ञान के चमत्कार

पांच रुपये की हवा में दौड़ सकती है 40 किलामीटर

देशी खोज को लिम्का बुक में भी मिला स्थान

ईंधन के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

डॉ. बीआर सिंह अपने आविष्कार के बारे में बताते हैं कि यह उनके सपनों की बाइक है। इसका आविष्कार उनकी वर्षों की मेहनत का नतीजा है। इसे 2006 से 2011 के मध्य साकार किया गया है। दरअसल, उन्होंने सामान्य जनों को पट्रोल के खर्च से बचाने के लिए इस बाइक की परिकल्पना की थी। इस ईको फ्रेंडली

बाइक के माध्यम से प्रकृति में बढ़ते प्रदूषण को भी रोका जा सकेगा। डॉ. सिंह बताते हैं कि यूरोपीय विकासशील देशों में अभी भी 30 से 80 प्रतिशत आबादी द्वारा बाइक प्रयोग में लाई जाती है। अपने देश में बाइक्स के

हवा के दाब से चलने वाली इकोफ्रेंडली बाइक तैयार

आंकड़ों पर ध्यान दें तो यह संख्या 2011 में 13 करोड़ से अधिक थी। वर्तमान में इसके और अधिक बढ़ने की संभावना है। इतने दोपहिये वाहनों में पेट्रोल से दो प्रकार के नुकसान सामने आते हैं। पहले तो जेब ढीली हो जाती है, दूसरी पेट्रोल से उत्सर्जित प्रदूषण से पर्यावरण का खतरा बढ़ता जा रहा है। अब वातावरण में मौजूद हवा से चलने वाली बाइक से लोगों का पैसा भी बचेगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। खास बात यह है छह साल में तैयार इस बाइक का 5.5 हॉर्स पावर का इंजन मात्र चार इंच व्यास का है। इस दोपहिया वाहन की टंकी में 350 पाउंड हवा भरी जा सकती है। यह बाइक 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है। बाइक की रफ्तार पूर्ण लोड पर 2000 आरपीएम एवं बिना लोड पर 10 हजार आरपीएम हो सकती है। इस एयरोबाइक की प्रशंसा स्वयं राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी कर चुके हैं। गत दिनों मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद में आयोजित पुराछात्र सम्मेलन में इस बाइक का प्रदर्शन किया जा चुका है। डॉ. बीआर सिंह के इस प्रयास को विश्व स्तर पर भी पहचान मिली है। इसकी खूबियों को देखते हुये इसका नाम लिम्का बुक में भी दर्ज किया जा चुका है। डॉ. बीआर सिंह वर्तमान में लखनऊ स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक हैं।

लखनऊ और कानपुर से एक साथ प्रकाशित

प्रकाशन का 67वां वर्ष

स्वतंत्र भारत

rat.com

वर्ष 67 · अंक 137 · नगर संस्करण · लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी, 2014 ई. पौष मास शुक्ल पक्ष 6 सं. 2070 वि. · पृष्ठ 16 · मूल्य 3.00

एअर–ओ–बाइक लिम्का बुक में दर्ज

डा. भरत राज सिंह ने तैयार की है हवा के दबाव से चलने वाली यह बाइक

लखनऊ (सं.)। डा. भरत राज सिंह स्कूल आफ मैनेजमेंट साइन्सेज के निदेशक हैं उनके द्वारा तैयार की गयी बाइक का नाम अब लिम्का बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड–2014 में दर्ज कर लिया गया है। इस बाइक की खासियत यह है कि पांच रुपये की हवा टंकी में भराकर लगभग 40 किमी. का सफर 80 किमी. की रफ्तार से तय कर सकते हैं। इस पर दो लोग आराम से बैठकर चल सकते हैं। इस बाइक के तैयार करने का मुख्य मकसद पर्यावरण को ज्वलनशील पदार्थों से उत्पन्न प्रदूषण से बचाना है। इस वाहन के साथ हवा की टंकी में 350 पौण्ड हवा मात्र 5 रु. में भराकर 40 किमी. की दूरी आराम से तय की जा सकती है। इंजन 5.5 हार्सपावर का है जो मात्र 4 इंच व्यास का है। इस बाइक की रफ्तार 2000 आरपीएम पूर्ण लोड पर तथा 10,000 आरपीएम बिना लोड चलती है इस एअर ओ-बाइक की भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी गत वर्ष लखनऊ में लगी तकनीकी प्रदर्शनी में काफी तारीफ कर चुके हैं। डा. सिंह द्वारा पर्यावरण पर दो पुस्तकें भी प्रकाशित की जा चुकी हैं।